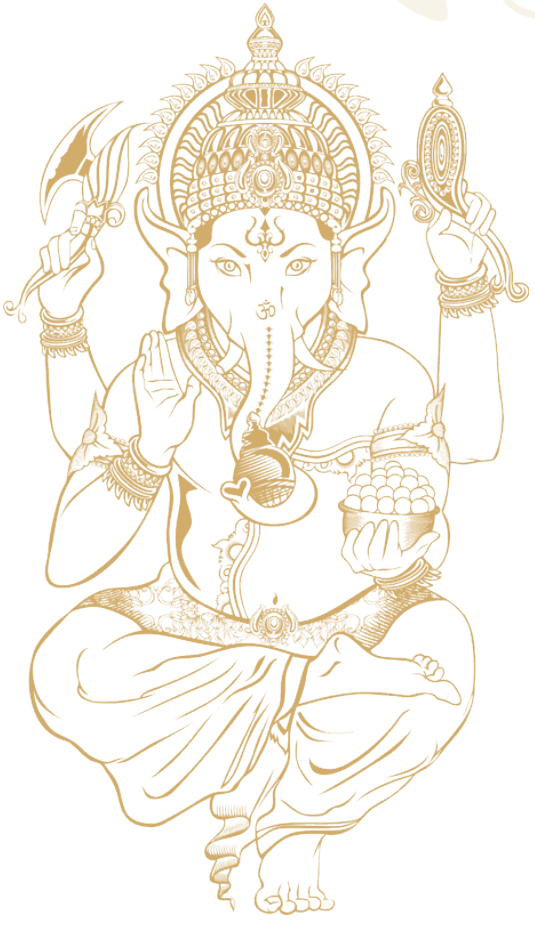

bhavya patidar

11 Oct 2021

11:49 PM

Dhar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121049507

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11/10/2021**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**23:49:00 घंटे**
इष्ट	43:33:41 घटी
स्थान	**Dhar**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	22:32:00 उत्तर
रेखांश	75:24:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:28:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:20:36 घंटे
वेलान्तर	00:13:17 घंटे
साम्पातिक काल	00:42:50 घंटे
सूर्योदय	06:23:31 घंटे
सूर्यास्त	18:06:29 घंटे
दिनमान	11:42:59 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	24:29:41 कन्या
लग्न के अंश	24:41:34 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शोभन
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	यो-योगेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	24:41:34	317:26:40	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	---
सूर्य			कन्या	24:29:41	00:59:21	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	सम राशि
चंद्र			धनु	06:28:40	14:13:10	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
मंगल		अ	कन्या	23:18:39	00:39:36	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	सूर्य	शत्रु राशि
बुध	व	अ	कन्या	20:03:34	01:04:28	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	केतु	स्वराशि
गुरु	व		मक	28:14:33	00:01:18	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	नीच राशि
शुक्र			वृश्चि	10:31:09	01:04:58	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	सम राशि
शनि			मक	12:43:20	00:00:04	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	स्वराशि
राहु			वृष	08:24:48	00:01:13	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	08:24:48	00:01:13	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष	व		मेष	19:35:10	00:02:10	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	---
नेप	व		कुंभ	26:54:35	00:01:25	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	---
प्लूटो			मक	00:09:49	00:00:09	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
दशम भाव			मीन	17:29:07	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:09:24

लग्न-चलित

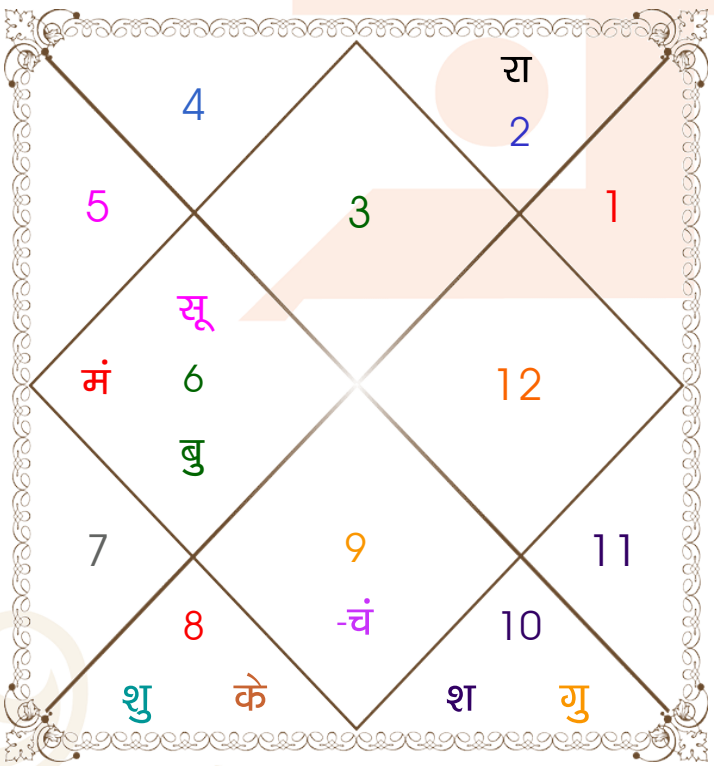

चन्द्र कुंडली

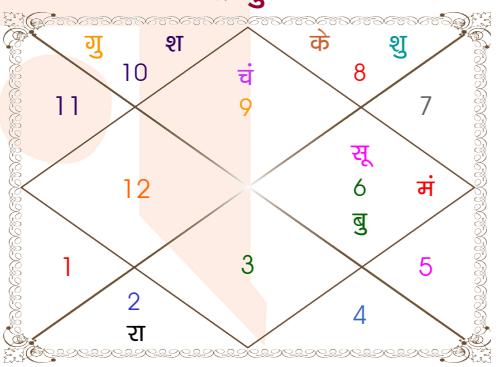

नवमांश कुंडली

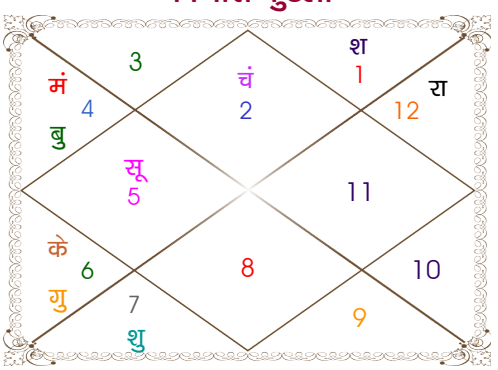

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 7 मास 5 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
11/10/2021		18/05/2025		18/05/2045		19/05/2051		18/05/2061	
18/05/2025		18/05/2045		19/05/2051		18/05/2061		18/05/2068	
	00/00/0000	शुक्र	17/09/2028	सूर्य	05/09/2045	चंद्र	18/03/2052	मंगल	14/10/2061
	00/00/0000	सूर्य	17/09/2029	चंद्र	06/03/2046	मंगल	17/10/2052	राहु	02/11/2062
	00/00/0000	चंद्र	19/05/2031	मंगल	12/07/2046	राहु	18/04/2054	गुरु	09/10/2063
	00/00/0000	मंगल	18/07/2032	राहु	06/06/2047	गुरु	18/08/2055	शनि	16/11/2064
	11/10/2021	राहु	18/07/2035	गुरु	24/03/2048	शनि	18/03/2057	बुध	14/11/2065
राहु	06/05/2022	गुरु	18/03/2038	शनि	06/03/2049	बुध	18/08/2058	केतु	12/04/2066
गुरु	12/04/2023	शनि	18/05/2041	बुध	10/01/2050	केतु	19/03/2059	शुक्र	12/06/2067
शनि	21/05/2024	बुध	18/03/2044	केतु	18/05/2050	शुक्र	16/11/2060	सूर्य	18/10/2067
बुध	18/05/2025	केतु	18/05/2045	शुक्र	19/05/2051	सूर्य	18/05/2061	चंद्र	18/05/2068

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
18/05/2068		18/05/2086		19/05/2102		19/05/2121		19/05/2138	
18/05/2086		19/05/2102		19/05/2121		19/05/2138		00/00/0000	
राहु	29/01/2071	गुरु	06/07/2088	शनि	22/05/2105	बुध	16/10/2123	केतु	15/10/2138
गुरु	24/06/2073	शनि	17/01/2091	बुध	30/01/2108	केतु	12/10/2124	शुक्र	16/12/2139
शनि	30/04/2076	बुध	24/04/2093	केतु	10/03/2109	शुक्र	13/08/2127	सूर्य	21/04/2140
बुध	17/11/2078	केतु	31/03/2094	शुक्र	10/05/2112	सूर्य	18/06/2128	चंद्र	20/11/2140
केतु	05/12/2079	शुक्र	29/11/2096	सूर्य	22/04/2113	चंद्र	18/11/2129	मंगल	19/04/2141
शुक्र	05/12/2082	सूर्य	17/09/2097	चंद्र	21/11/2114	मंगल	15/11/2130	राहु	12/10/2141
सूर्य	30/10/2083	चंद्र	17/01/2099	मंगल	31/12/2115	राहु	03/06/2133		00/00/0000
चंद्र	30/04/2085	मंगल	24/12/2099	राहु	06/11/2118	गुरु	09/09/2135		00/00/0000
मंगल	18/05/2086	राहु	19/05/2102	गुरु	19/05/2121	शनि	19/05/2138		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 7 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के द्वितीय चरण में हुआ था। आपके जन्म समय मिथुन लग्न के साथ-साथ वृषभ का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। आपके जन्म प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भाग्यशाली व्यक्ति हैं। क्योंकि आप आरामदायक एवं प्रसन्नतम जीवन व्यतीत करेंगे। परंतु आप कार्य करने से विमुख हो जाते हैं फिर आप किस प्रकार उपयुक्त कार्य सुनिश्चित कर सकेंगे। अतः आप कार्य के संबंध में पूर्णरूपेण विचार कर उपयुक्त एवं अनुकल कार्य सुनिश्चित कर लें।

आपकी ढुल-मुल नीति के कारण आप मानसिक रूप से व्यस्त रहते हैं एवं प्रतिक्षण अन्य लुभावने कार्य-व्यवसाय को प्रारंभ करने हेतु व्यग्रता पूर्वक प्रवृत हो जाते हैं। इसलिए आप अधीर होकर, तत्काल ही परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं। जिस वजह से आप प्रलोभन में पड़ कर अनेकों कार्यों को अपूर्ण छोड़ देते हैं। फलस्वरूप आपके कठिन श्रम से कोई लाभ प्राप्त नहीं हो पाता है। अतः आप भविष्यकाल के लिए निर्णय करके सुदृढता पूर्वक कार्य संपादन करें।

आप में आश्चर्य जनक ग्रहणात्मक शक्ति विद्यमान है। आप दूसरो की बातों को समझने एवं ग्रहण करने में समर्थ हैं। आप किसी भी प्रकार का अंदाज लगाने के बाद भी अपने अनुकूल और विचार पूर्वक कार्य संपादन करते हैं।

आपके पास लोग निर्देशन प्राप्त करने तथा आपकी राय जानने आयेंगे। सामान्यतया किसी भी वस्तु विषय में आपका निर्णय ले लेना तथा पुनः निर्णय बदल देना यह उपयुक्त है।

आपका अच्छा स्वभाव आपको अपने मित्रों एवं संबंधियों के मध्य प्रसिद्धि प्रदान करता हैं। आपके संबंधित सभी लोग आपको प्रतिष्ठित करते हैं। अर्थात् प्रतिष्ठा प्रदान करते हैं। अन्य दूसरी बात यह है कि आपकी प्रसिद्धि आपको तेज, कुशग्र बुद्धि का, निष्कपट, विश्वासी एवं दानशील प्रवृत्ति का बनाता है।

आप अपनी उच्च महत्वकांक्षा की प्राप्ति हेतु समर्पित हो कर कोई भी कार्य प्रारंभ करें। आप चांद को स्पर्श करने की अभिलाषा नही करते परंतु आप कुछ भी चाहे जो कुछ भी प्राप्त करके ही संतुष्टि एवं प्रसन्नता का अनुभव करना चाहते हैं।

यदि आप एकाग्रता पूर्वक कार्य संपादन करें तो आपके अपने रास्ते से धन की प्राप्ति होगी। आप मुख्यतः अपने जीवन के 25वें वर्ष में अति समृद्ध हो जाएंगे। साथ ही धन का अपव्यय निरर्थक हो जाने से बहुत बड़ी उदासीनता एवं चिंता का कारण भी बनेगा।

आप पारिवारिक सदस्यों के साथ बहुत आरामदेह एवं सुखप्रद जीवन बिताएंगे। आपका शांति प्रदायक अपना भवन होगा तथा बच्चों के साथ अनेक प्रकार से सुविधाजनक एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करेंगे। उत्तम तो यह है कि आप अपने लिए अनुकूल जीवन संगिनी का चयन कर लें जिसका जन्म लग्न/राशि तुला, कुंभ, सिंह एवं मेष राशि हो।

आप भ्रमण प्रिय हैं। आप अपने मित्र मंडली का विस्तार करेंगे। आपके संपर्क के अनेक मित्रगण विस्तृत रूपेण पूर्ण समर्पित भाव से आपका सहयोग करेंगे। स्पष्टतया आपके उत्तम स्वास्थ्य की सुनिश्चितता बनी हुई है। परंतु आपको संभाव्य शारीरिक आघात के प्रति रक्षित करना चाहिए। ताकि यक्ष्मा तपेदिक, श्वांस नली की विकृति एवं उदर संबंधी विकृति रोग की परेशानी से सुरक्षित रह सकें। आपके लिए पेशा, वकालत, शैक्षणिक कार्य, पुस्तक प्रकाशन एवं पत्रकारिता के व्यवसाय अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए लाभदायक, प्रभावी एवं अनुकूल अंक 3 एवं 7 अंक है। इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल अंक है।

आप सफेद रंग के प्रति आकर्षित हैं परंतु इसे त्यागकर अपने लिए अनुकूल रंग पीला गुलाबी, बैगनी, हरा एवं नीला रंग के वस्त्रादि का व्यवहार करें। काला एवं लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।